

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीरक्ष्णकूप श्रीश्रीनिरास यतीन्द्र महादेशिकैरनुगृहीतं  
॥ नरनारसिंह मङ्गलाशासनम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ नरनारसिंह मङ्गलाशासनम् ॥

श्रीपराक्कुशयोगीन्द्र शठारिप्रमुखान् गुरुन्।  
मङ्गलाशासनपरान् महिताननिशं भजे ॥ 1 ॥

जगज्जन्मादिलीलाय जगदानन्दहेतरे।  
जगच्छम्फुर्निरासाय श्रीनृसिंहाय मङ्गलम् ॥ 2 ॥

हिरण्यसुस्तुसंभृतिप्रख्यात परमात्मने।  
प्रह्लादार्तिमुषे ज्वालानारसिंहाय मङ्गलम् ॥ 3 ॥

गुरुडाद्रिगुहागेहे गजकुण्डसरसुटे।  
हिरण्यस्त्रहंकारहारि सिंहाय मङ्गलम् ॥ 4 ॥

रारिजारारित भयैः राणीपतिमुथैस्सुरैः।  
महिताय महोदार मालोलायास्तु मङ्गलम् ॥ 5 ॥

रराहकुण्डे मेदिन्यै रराहार्थप्रदायिने।  
दन्तलग्न हिरण्याम्क दंष्ट्रै सिंहाय मङ्गलम् ॥ 6 ॥

गोडुहिरण्यनिर्लिप्त गोडिलज्जानदायिने।  
प्रभञ्जन शुनासीर रञ्जकायास्तु मङ्गलम् ॥ 7 ॥

भार्गवाख्य तपस्वीश भारना भारितात्मने।  
अम्कय्य तीर तीरसु भार्गवायास्तु मङ्गलम् ॥ 8 ॥

चतुरानन चेतोज्ज चित्रभानुस्वरूपिणे।  
रेदाद्रि गह्वरस्थाय योगानन्दाय मङ्गलम् ॥ 9 ॥

হাহাহুহ্ৰাখ্য গন্ধর্নৃত্ত গীত হতাত্মনে।  
ভরহন্তুতটচ্ছত্রট সিংহায় মঙ্গলম্ ॥ 10 ॥

ভারদ্বাজমহাযোগি মহাপাতক হারিণে।  
তাপনীয় রহস্যার্থ পারনাযাস্তু মঙ্গলম্ ॥ 11 ॥

শ্রীশঠারি যতীন্দ্রাদি যোগিহুৎপদ্য ভানরে।  
সর্ত্র পরিপূর্ণাযাহোবিলেশায় মঙ্গলম্ ॥ 12 ॥

মঙ্গলাশাসনমিদং মানিরাস মুনীরিতম্।  
মহনীযং পঠন্ শৃণ্বন্ মঙ্গলাযতনং ভরেৎ ॥ 13 ॥

॥ ইতি নরনারসিংহ মঙ্গলাশাসনং সমাপ্তম্ ॥